https://m.youtube.com/
@ShriDakshinaMurtiShivSadhanaPa

https://whatsapp.com/channel
/0029VazNzZhEquiGjJjCVV17

दक्षिणामूर्ति शिव साधना परिषद
सत्यम नगर,सामने घाट, लंका ,वाराणसी
221005

श्री दक्षिणामूर्ति अष्टोत्तर शतनामस्तोत्रं

Dakshinamurti Shiv Sadhana Parishad Varanasi

॥ श्री दक्षिणामूर्ति अष्टोत्तर शतनामस्तोत्रं ॥

अथ ध्यानम्

॥ वटवृक्ष तटासीनं योगि ध्येयांघ्रि पंकजम्।
शरच्चंद्र निभं पूज्यं जटामुकुट मंडितम् ॥१॥

गंगाधरं ललाटाक्षं व्याघ्र चर्माम्बरावृतम्।
नागभूषं परंब्रह्म द्विजराजावतंसकम् ॥२॥

अक्षमाला ज्ञानमुद्रा वीणा पुस्तक शोभितम्।
शुकादि वृद्ध शिष्याढ्यं वेद वेदान्तगोचरम्॥३॥

युवानं मन्मथारातिं दक्षिणामूर्तिमाश्रये ।
अथ दक्षिणामूर्ति अष्टोत्तर शतनाम स्तोत्रं ॥४॥

Dakshinamurti Shiv Sadhana Parishad Varanasi

Dakshinamurti Shiv Sadhana Parishad Varanasi

ॐ विद्यारूपी महायोगी शुद्ध ज्ञानी पिनाकधृत्।
रत्नालंकृत सर्वांगी रत्नमौलिर्जटाधरः ॥१॥

गंगाधार्यचलावासी महाज्ञानी समाधिकृत्।
अप्रमेयो योगनिधिस्तारको भक्तवत्सलः ॥२॥

ब्रह्मरूपी जगद् व्यापी विष्णुमूर्तिः पुरातनः।
उक्षवाहश्चर्मवासाः पीताम्बर विभूषणः॥३॥

मोक्षदायी मोक्ष निधिश्चांधकारिः जगत्पतिः।
विद्याधारी शुक्ल तनुः विद्यादायी गणाधिपः॥४॥

प्रौढापस्मृति संहर्ता शशिमौलिर्महास्वनः।
साम प्रियोऽव्ययः साधुः सर्व वेदैरलंकृतः ॥५॥

हस्ते वह्निधरः श्रीमान् मृगधारी वशंकरः।
यज्ञनाथः क्रतुध्वंसी यज्ञभोक्ता यमान्तकः ॥६॥

भक्तानुग्रह मूर्तिश्च भक्तसेव्यो वृषध्वजः।
भस्मोद्धूलित सर्वांगः चाक्षमालाधरोमहान् ॥७॥

Dakshinamurti Shiv Sadhana Parishad Varanasi

Dakshinamurti Shiv Sadhana Parishad Varanasi

त्रयीमूर्तिः परंब्रह्म नागराजैरलंकृतः।
शान्तरूपो महाज्ञानी सर्व लोक विभूषणः ॥८॥

अर्धनारीश्वरो देवोमुनिसेव्यस्सुरोत्तमः।
व्याख्यानदेवो भगवान् रवि चन्द्राग्नि लोचनः ॥९॥

जगद्गुरुर्महादेवो महानन्द परायणः।
जटाधारी महायोगी ज्ञानमालैरलंकृतः ॥१०॥

व्योमगंगा जल स्थानः विशुद्धो यतिरूर्जितः।
तत्त्वमूर्तिर्महायोगी महासारस्वतप्रदः ॥११॥

व्योममूर्तिश्च भक्तानां इष्टकाम फलप्रदः।
परमूर्तिः चित्स्वरूपी तेजोमूर्तिरनामयः ॥१२॥

वेदवेदांग तत्त्वज्ञः चतुःष्षष्टि कलानिधिः।
भवरोग भयध्वंसी भक्तानामभयप्रदः ॥१३॥

नीलग्रीवो ललाटाक्षो गज चर्मागतिप्रदः।
अरागी कामदश्चाथ तपस्वी विष्णुवल्लभः ॥१४॥

Dakshinamurti Shiv Sadhana Parishad Varanasi

Dakshinamurti Shiv Sadhana Parishad Varanasi

ब्रह्मचारी च सन्यासी गृहस्थाश्रम कारणः।
दान्तः शमवतां श्रेष्ठो सत्यरूपो दयापरः ॥१५॥

योगपट्टाभिरामश्च वीणाधारी विचेतनः।
मतिप्रज्ञा सुधाधारी मुद्रापुस्तक धारणः ॥१६॥

वेतालादि पिशाचौघ राक्षसौघ विनाशनः।
राज यक्ष्मादि रोगाणां विनिहन्ता दक्षिणामूर्तये ॥१७॥

॥ इति श्री दक्षिणामूर्ति अष्टोत्तर शतनाम स्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

जय दक्षिणामूर्ति शिव गुरुदेव 🌹 🙏

Dakshinamurti Shiv Sadhana Parishad Varanasi

Dakshinamurti Shiv Sadhana Parishad Varanasi

For more information on spiritual content follow our channel and page -tap on icon/link:

अध्यात्म से जुड़ी अधिक जानकारी के लिए icon/link पर क्लिक करें और चैनल को फॉलो करें।

CLICK HERE

YouTube https://m.youtube.com/@ShriDakshinaMurtiShivSadhanaPa

https://whatsapp.com/channel/0029VazNzZhEquiGjJjCVV17

https://www.instagram.com/dakshinamurtishiv?utm_source=wa4a&utm_campaign=wa_vpl_m2_uvf_web

https://www.facebook.com/sanjay.towardhimaharaj/

https://t.me/dakshinamurtishiv

Dakshinamurti Shiv Sadhana Parishad Varanasi

Dakshinamurti Shiv Sadhana Parishad Varanasi

जो महानुभाव कुछ दिन या आजीवन रहकर ज्योतिष, ध्यान इत्यादि विभिन्न प्रकार की साधनाएं सीखना चाहते हैं या परिवार से दूर भगवान की भक्ति में जीवन बिताना चाहते हैं, उनके लिए रहना-खाना निःशुल्क है।

सम्पर्क करें:-
ज्योतिषाचार्य संजय तिवारी जी महाराज
दक्षिणामूर्ति शिव साधना परिषद,
सत्यम नगर, सामने घाट, लंका, वाराणसी 221005
मोबाइल: 8887813241
8660820545

जो लोग गुरुदेव दक्षिणामूर्ति शिव से दीक्षा लेना चाहते हैं, वे सभी संपर्क कर सकते हैं।